हम वायरस से युद्ध लड़ रहे हैं, क्रिकेट इंतजार कर सकता हैः चेतेश्वर पुजारा

मैं अपनी अकादमी जाना चाहूंगा

32 वर्षीय चेतेश्वर पुजारा क्रिकेटर ने माना कि फिलहाल वह क्रिकेट से दूर हैं। इसका अर्थ है कि वह अपना ज्यादातर वक्त पत्नी और बेटी के साथ बिता रहे हैं। और जैसे ही हालात सामान्य होंगे तो पुजारा सबसे पहले राजकोट में अपनी अकादमी में जाएंगे। उन्होंने कहा, मैं अपनी अकादमी जाना चाहूंगा यह मेरे घर से करीब 16–17 किलोमीटर है।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) चेन्नै। भारतीय टेस्ट टीम के अहम बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की सबसे बड़ी खूबी उनका संयम और अनुशासन है। और कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ वह इन्हीं का अच्छा इस्तेमाल कर रहे हैं। सेल्फ–आइसोलेशन और सोशल डिस्टेंसिंग को बेहद जरूरी माने जाने वाले इस वक्त में पुजारा उदाहरण पेश कर रहे हैं। पुजारा ने राजकोट में अपने घर से हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, श्लॉकडाउन के दौरान सबसे जरूरी चीज है कि आप घर पर रहें। सभी को खतरा समझना चाहिए और घर पर ही रहना चाहिए, भले ही इससे परेशानी क्यों न हो। लेकिन हम एक युद्ध लड़ रहे हैं। संयम और अनुशासन की वे आदतें जरूर काम आ रही हैं। क्रिकेटर के रूप में मेरी खूबियां इन हालात का सामना करने में मेरी मददगार हो रही हैं। मेरे पास वह मानसिक दृढ़ता है। तो इससे फायदा होता है। पुजारा को बेशक खेल से बहुत लगाव है और उन्हें गेंद के बल्ले पर लगने की आवाज बहुत पसंद है। लेकिन फिलहाल, क्रिकेट उनके दिमाग में दूर–दूर तक नहीं है।

कोरोना ने खिलाड़ियों को भी आम इंसान जैसा बना दिया

कोरोना वायरस के कारण दुनिया भर के देशों में लॉकडाउन

क्रिकेट

परिवार और दोस्तों के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हूं: मार्क वुड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी ने खिलाड़ियों को भी अपनी यथारिथति का अहसास करा दिया है। उन्होंने कहा कि इस वैश्विक स्वास्थ्य संकट के कारण पैदा हुई चुनौती में वह भी आम इंसान की तरह असुरक्षित हैं। कोविड–19 महामारी के कारण अब तक दुनिया भर में 80,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 15 लाख लोग प्रभावित हैं।

वुड ने कहा कि वह भी अपने परिवार के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने बीबीसी में अपने कॉलम में लिखा, ऐसा भी समय होता है, जबकि पेशेवर खिलाड़ी अपनी ही दुनिया में जीते हैं। कोरोना वायरस ने वह बुलबुला फोड़ दिया है। अपनी फिटनेस, प्रदर्शन और अगले मैच के बारे में सोचने के बजाए हमारी चिंताएं भी आम इंसान जैसी ही हैं।

उन्होंने कहा, यह दहशत पैदा करने वाला समय है, जिसने मुझे अपने परिवार और दोस्तों के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित कर दिया है। मैं अपने माता पिता और दादा दादी को लेकर चिंतित हूं। मेरे कुछ दोस्त एनएचएस (राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा) में काम करते हैं और इतने तनाव के बीच वे काम कर रहे हैं।

वुड ने कहा, मैं इंग्लैंड के लिए क्रिकेट खेलता हूं इसका मतलब यह नहीं है कि अभी देश जिस चुनौती से जूझ रहा है मैं उससे बच जाऊंगा। मैं भी सुपर मार्केट के बाहर कतार में खड़ा रहा और मैंने भी अपना सिर मुंडवा दिया है क्योंकि पता नहीं कि फिर मुझे कब बाल बनवाने का मौका मिलेगा।

कोरोना वायरस के कारण दुनिया भर के देशों में लॉकडाउन है। वुड भी अपने घर में हैं और उन्हें उम्मीद है कि इससे उन्हें चोट से उबरने में मदद मिलेगी, जिसके कारण वह श्रीलंका दौरे पर नहीं जा पाए थे, जो बीच में ही रद्द कर दिया गया था। वुड ने कहा, कोरोना वायरस संकट से पहले मैं श्रीलंका दौरे पर नहीं जा पाने के कारण निराश था। यह सुनकर अच्छा लगा कि कप्तान जो रूट मुझे अगले एशेज दौरे में टीम में चाहते हैं। इसलिए मैं 2021 के दौरे में टीम में रहने के लिए अपनी तरफ से हर संभव कोशिश करूंगा।

अक्टूबर तक भी कोरोना वायरस पर नियंत्रण हुआ तब भी हो जाएगा आईपीएल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज आशीष नेहरा का मानना है कि अगर अक्टूबर तक भी कोविड–19 महामारी को नियंत्रित कर दिया जाता है तो इंडियन प्रीमियर लीग (प्प्स्) को वर्ष के अंतिम तीन महीनों में भी आयोजित किया जा सकता है। आईपीएल 2020 को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 29 मार्च से शुरू होना था लेकिन कोरोना वायरस के कारण उसे 15 अप्रैल तक स्थगित कर दिया गया है।

कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते हालात अभी सामान्य नहीं दिख रहे हैं ऐसे में इसके आयोजन की संभावना भी नहीं है। नेहरा ने स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा, आईपीएल

अगस्त में नहीं हो सकता क्योंकि वह बारिश का मौसम होता है और ऐसे में कई मैचों के रद्द होने की संभावना रहेगी। अगर अक्टूबर तक विश्व भर में स्थिति नियंत्रण में आ जाएगी तो मुझे पूरा विश्वास है कि आईपीएल होगा।

कोरोना वायरस के मामलों और उससे होने वाली मौतों में कोई कमी नहीं आ रही है और ऐसे में इस साल आईपीएल के आयोजन की संभावना भी कम हो गई है। इस घातक वायरस के कारण भारत में लगभग 150 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दुनिया भर में यह संख्या 80 हजार से ऊपर चली गई है।

नेहरा ने इसके साथ ही कहा कि युवराज सिंह ने महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में हमेशा अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, मैंने जितना युवराज के करियर को देखा है तो मुझे लगता है कि उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई में अच्छा प्रदर्शन किया। हमने देखा कि किस तरह से उन्होंने 2007 और उसके बाद बल्लेबाजी की। हमने 2011 में देखा कि बीमारी के बावजूद उन्होंने धोनी के नेतृत्व में किस तरह का शानदार प्रदर्शन किया। नेहरा ने कहा, मेरा मानना है कि प्रत्येक खिलाड़ी का कोई पसंदीदा कप्तान होता है और मेरे हिसाब से युवराज ने धोनी की अगुवाई में बेहतर प्रदर्शन किया।

लॉकडाउन में सितारे- कोच के पड़ोस में ही आ गई दिव्या काकरान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। जिन महिला पहलवानों से ओलिंपिक्स मेडल की उम्मीद है उनमें दिव्या काकरान भी शामिल हैं। दिव्या को हालांकि ओलिंपिक्स के लिए क्वॉलिफाई करना है लेकिन उन्होंने एशियन चौंपियनशिप में 68 किग्रा भार वर्ग में गोल्ड जीतकर उम्मीदें जगा दी हैं। कोरोना संकट के बीच ओलिंपिक्स खेलों को एक साल के लिए टाल दिया गया है और क्वॉलिफाइंग टूर्नामेंट भी हाल–फिलहाल आयोजित होता नहीं दिख रहा है, फिर भी दिव्या अपनी तैयारी में लगी हुई हैं।

दिव्या उस भारतीय टीम का हिस्सा हैं जिसे अगले ओलिंपिक्स क्वॉलिफाइंग टूर्नामेंट में देश का प्रतिनिधित्व करना है। तैयारी प्रभावित ना हो इसके लिए उन्होंने लॉकडाउन शुरू होने से कुछ दिन पहले ही कोच के घर के बगल में शिफ्ट हो गईं। उन्होंने बताया, तब अपने यहां कोरोना का इतना कहर नहीं था। लेकिन, मुझे पता था कि दुनिया में जहां भी यह फैला है वहां पूरे शहर को ही लॉकडाउन कर दिया जाता है। मैं यही सोचकर देश में लॉकडाउन शुरू होने से करीब चार–पांच दिन पहले अपने भाई के साथ रूसी कोच ब्लामिदिर के घर के बगल में मॉडल टाउन रहने आ गई जिससे कि प्रैक्टिस प्रभावित ना हो।

न्यूज डायरी

भारत में टेस्ट सीरीज जीतना मेरे लक्ष्यों में शामिलः स्टीव स्मिथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ का मानना है कि भारत में टेस्ट मैच खेलना सबसे मुश्किल होता है और यहां टेस्ट सीरीज जीतना उनके सबसे बड़े लक्ष्यों में से एक है। आईपीएल के पहले सत्र की चौंपियन राजस्थान रॉयल्स द्वारा आयोजित बातचीत में स्मिथ ने न्यूजीलैंड के लेग स्पिनर ईश सोढ़ी से कहा, 'मैं भारत में टेस्ट सीरीज जीतना चाहूंगा।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर होने के नाते हम एशेज को, विश्व कप को बड़ा आंकते हैं लेकिन मेरा मानना है कि भारत अभी विश्व की नंबर एक टीम है और टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए यह बहुत मुश्किल स्थान है, इसलिए मैं भारत में टेस्ट सीरीज जीतना पसंद करूंगा।' वर्तमान में विश्व के नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज स्मिथ ने अपने अन्य लक्ष्यों के बारे में कहा, 'इसके अलावा मैं बहुत अधिक लक्ष्य तय करना पसंद नहीं करूंगा।

पबजी में आउट ऑफ टच हो गए हैं एमएस धोनीः दीपक चाहर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दुनिया पर कोरोना वायरस का संकट न छाया होता तो महेंद्र सिंह धोनी के फैन्स इन दिनों उन्हें एक बार मैदान पर छक्के बरसाते और पीली जर्सी में चेन्नै सुपर किंग्स की कप्तानी करते देख रहे होते। लेकिन कोरोना वायरस की मार ने न सिर्फ आईपीएल को पीछे धकेल दिया है बल्कि पूरे देश और दुनिया की रफ्तार को थाम दिया है। इन दिनों दुनिया भर में लॉकडाउन जैसे हालात हैं और सभी लोग आउटडोर गतिविधियों को छोड़कर अपने–अपने घरों में समय बिता रहे हैं। लॉकडाउन के इन दिनों आखिर ध ोनी कैसे अपना समय गुजार रहे हैं। अभी किसी को इसकी ज्यादा जानकारी तो नहीं है लेकिन आईपीएल में उनके साथी खिलाड़ी और टीम इंडिया में युवा गेंदबाज दीपक चाहर ने बताया कि अब धोनी अपनी पसंदीदा मोबाइल गेम पबजी भी नहीं खेल रहे हैं। चेन्नै सुपरकिंग्स ने अपने ट्विटर हैंडल पर चाहर के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस का एक वीडियो शेयर किया है।

जरूरतमंदों को खाना डिलीवर करने के लिए निक किर्गियोस ने बढ़ाए हाथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। चीन से फैले घातक कोरोना वायरस के कारण कई देश परेशान हैं और इससे जनजीवन पर भी असर पड़ा है। ऑस्ट्रेलिया में इस वायरस क बढ़ते प्रकोप को देखते हुए लॉकडाउन घोषित है और इसी बीच टेनिस स्टार निक किर्गियोस ने जरूरतमंदों को खाना खिलाने के लिए हाथ बढ़ाए हैं। कैनबरा में रहने वाले किर्गियोस कोर्ट पर काफी आक्रामक नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि ब्टप्क–19 के कारण लगे प्रतिबंधों से उद्योग बंद करने पड़े हैं और बड़ी संख्या में इसका असर ऑस्ट्रेलिया में काम करने वाले लोगों पर पड़ा। दुनिया के 40वें नंबर के खिलाड़ी किर्गियोस ने इंस्टाग्रामम पर लिखा, कृपया खाली पेट ना सोएं। मुझे एक निजी संदेश भेजने के लिए डरो या शर्मिंदा मत हो। मेरे पास जो कुछ भी है, उसे शेयर करने से मुझे और अधिक खुशी होगी। उन्होंने लिखा, यहां तक कि नूडल्स के केवल एक बॉक्स के लिए, एक रोटी या दूध के लिए।

किरण रिजिजू ने खिलाड़ियों के लिए साई के कार्यक्रम की समीक्षा की

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू ने कोविड–19 महामारी के कारण 21 दिन के लॉकडाउन (राष्ट्रव्यापी बंद) के मद्देनजर मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा खिलाड़ियों को व्यस्त रखने की पहल की समीक्षा की। रिजिजू ने वीडियो कॉन्फ्रेंस से देश भर के सभी साई केंद्रों के क्षेत्रीय निदेशकों के साथ बैठक की और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने लॉकडाउन के बाद की योजना और उपायों पर भी चर्चा की। साई के एक अधिकारी ने पीटीआई से कहा, 'खेलमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से साई और खेल मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों की मौजूदगी में सभी साई केंद्रों के क्षेत्रीय निदेशकों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने इस बैठक के दौरान एथलीटों का मनोबल ऊंचा रखने और उन्हें व्यस्त रखने के लिए इन केन्द्रों की पहल के बारे में जानकारी ली।'